अत्यतं गोपनीय - केवल आतंरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिके ट परीक्षा - **2020**

अंक-योजना HISTORY

SUBJECT CODE : 027 PAPER CODE : 61/5/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देत। है।

MARKING SCHEME HISTORY-027

CLASS XII

AISSCE MARCH 2020

CODE NO. Set-61/5/3

Q.NO	अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक Part -A	PAGE NO.	MARKS
1	**A-** कार्ल मार्क्स	Pg-132	1
2	**जनपद**- प्रमुख राज्य थे जहां लोग बस गए **महाजनपद**- प्राचीन भारत में राज्य या प्रशासनिक इकाईयों(सोलह राज्यों पर राजा का शासन था)	Pg-29	1
3	**A-**. बड़ी आबादी, बाज़ारों और कुशल संचार	Pg-126	1
4	**A-**(i-b,ii-c,iii-d, iv-a)	Pg-121,122, 137	1
5	अल-ब्रुनी ख्वारिज़म / उज़्बेकिस्तान से था और उसने अरबी भाषा में किताब-उल-हिंद लिखा था। **अथवा** मुहम्मद बिन तुगलक इब्न बतूता की विद्वता से प्रभावित था.	Pg-116 Pg-118	1
6	धम्म	Pg-32	1
7	पाटलिपुत्र **अथवा** मगध	Pg-31	1
8	**C**- विद्वान (पढ़े लिखे) उस लिपि को पढ़ नहीं सके है	Pg-15	1
9	मातृ देवी(हड़प्पा) नेत्रहीनों के लिए: -उन्नत (Unicorn.)	Pg-23	1
10	**A-** केवल 1 और 2	Pg-1	1
11	एस.एन. रॉय (सौरींद्रनाथ रॉय)	Pg-20	1
12	अंडाल	Pg-144	1

13	**A-** लॉर्ड वैलेस्ली	Pg-336	1
14	**A**- - दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है	Pg-328	1
15	**C**--1,2 और 3	Pg-319	1
16	**A** डेविड रिकार्डो	Pg-277	1
17	इस्तमरारी बंदोबस्त	Pg-260/262	1
18	मलिक मुहम्मद जायसी	Pg-158	1
19	आदि ग्रन्थ साहिब	Pg-161	1
20	रैदास / रविदास	Pg-165	1
21	Part -B भाग -B **अभिलेख साक्ष्यों की सीमाएं** तकनीकी सीमाएँ - i. अभिलेख धूमिल उत्कीर्ण हैं और पुनर्निर्माण अनिश्चित हैं। ii. शिलालेख क्षतिग्रस्त हो सकता है या पत्र गायब हैं। iii. शिलालेख में प्रयुक्त शब्दों के सटीक अर्थ के बारे में सुनिश्चित होना हमेशा आसान नहीं होता है। iv. अभिलेख नष्ट भी हो जाते है जिनसे शब्द लुप्त हो जाते है 1 v. अभिलेखों के शब्दों का अर्थ निकाल पाना आसान नहीं 1 vi. अनेक अभिलेख कालांतर में सुरक्षित नहीं बचे। vii. कुछ अभिलेख अंश मात्र है । viii. अभिलेख केवल उन्ही लोगो के विचार व्यक्त करते है जो उन्हें बनवाते थे। ix. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी भी तीन बिंदुओं की व्याख्या	Pg-48	3

	अथवा **भूमि और नदी मार्ग** i. मार्गों को विभिन्न दिशाओं में बढ़ाया गया था: - मध्य एशिया, उत्तरी अफ्रीका, पश्चिम एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और चीन। ii. शासकों ने इन मार्गों को नियंत्रित करने का प्रयास किया। iii. व्यापारियों ने इन मार्गों पर यात्रा की। iv. इन मार्गों के माध्यम से माल की विस्तृत श्रृंखला को ले जाया गया। v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी भी तीन बिंदुओं की व्याख्या	Pg-44	3
22	**विजयनगर की किलेबंदी** i. किलेबंदी की सात पंक्तियाँ थीं। ii. कृषि में आसपास के क्षेत्र और जंगलों को भी घेरा गया था iii. सबसे बहरी दीवार पहाड़ियों से जोड़ती थी iv. यह विशाल सरंचना शुण्डाकार थी v. वर्गाकार और आयातकार बुर्ज बहार की और निकले हुए थे vi. इसको खेतों से घेरा गया था vii. पहली, दूसरी और तीसरी दीवार के बीच में खेती के खेत, बगीचे और घर थे viii. धार्मिक केंद्र और कृषि केंद्र के बीच एक कृषि क्षेत्र के साक्ष्य मिले है ix. कृषि क्षेत्र के चारों ओर विस्तृत सुरक्षा रणनीति। x. एक दूसरी पंक्तियाँ शहरी परिसर के आंतरिक कोर के चारों ओर थी xi. एक तीसरी पंक्ति ने शाही केंद्र को घेर लिया था । xii. गारे के बिना विशाल चिनाई निर्माण। xiii. तुंगभद्रा से पानी निकालने वाली विस्तृत नहर प्रणाली।	Pg-177	3

	xiv. संरक्षित फाटक सड़कों से जुड़ा हुआ था xv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही तीन आठ बिंदुओं का वर्णन		
23	**. सांप्रदायिक सौहार्द को बहाल करने के लिए गांधीजी के प्रयास** i. उन्होंने अपने सिद्धांतों के माध्यम से सांप्रदायिक हिंसा को रोकने की कोशिश की। ii. उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के दंगाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया। iii. उन्होंने अल्पसंख्यकों के कष्टों के प्रति अपनी चिंता दिखाई। iv. उन्होंने सभी वर्गों की समानता के लिए काम किया। v. उन्होंने दो समुदायों के बीच आपसी विश्वास और विश्वास की भावना का निर्माण करने की कोशिश की। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या	Pg-365-395	3
24	**ब्रिटिश ने 1857 के विद्रोह का दमन** i. ब्रिटिश ने विद्रोह को दबाने के लिए कानूनों की श्रृंखला पारित की। ii. मार्शल लॉ लगाया गया। iii. कानून और परीक्षण की प्रक्रिया को निलंबित कर दिया गया। iv. ब्रिटिश ने कलकत्ता और पंजाब से दो हमले किए। v. दिल्ली पर कब्जा कर लिया गया। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए.	Pg-305	3
25	**Part- C**		

	सांची स्तूप का संरक्षण i. भोपाल के शासकों (शाहजहाँ बेगम और उनके उत्तराधिकारी सुल्तान जहाँ बेगम) ने इसके संरक्षण के लिए धन प्रदान किया। ii. उसने संग्रहालय को वित्त पोषित किया। iii. उन्होंने प्राचीन स्थल के रख रखाव के लिए धन अनुदान दिया । iv. अतिथिशाला बनाने के लिए धन अनुदान दिया जहां जॉन मार्शल रहते थे और पुस्तकें लिखते थे। v. जॉन मशाल के खंडो के प्रकाशन के लिए अनुदान दिए। vi. एएसआई ने इसे बहाल करने और संरक्षित करने में भी मदद की। **अमरावती की नियति** i. स्थानीय राजा स्तूप के खंडहरों पर मंदिर बनाना चाहते थे। ii. कॉलिन मेकानाइज़ ने अमरावती पर रिपोर्ट तैयार की लेकिन कभी प्रकाशित नहीं हुई। iii. गुंटूर के आयुक्त वाल्टर इलियट, अमरावती के मद्रास में मूर्तिकला पैनल ले गए। iv. अमरावती के स्लैब को एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ बंगाल को भेजा गया था। V अनिश्चितकालीन नीति के कारण अमरावती के मूल कार्य में गिरावट आई। vi कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। दोनों में से चार बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **हिंदू और बौद्ध कला और मूर्तिकला** **हिंदू मूर्तिकला और कला** i. वैष्णववाद - दस अवतारों की मूर्तिकला। उदाहरण के लिए। शेषनाग के साथ पृथ्वी देवी (ऐहोल), वराह,,आदि ।	Pg-83,98	4+4=8

	ii. शैव मत- लिंग में शिव की मूर्तियां iii. मानव रूप में भी शिव की मूर्तियां iv. महाबलीपुरम में दुर्गा की छवि v. मथुरा में वासुदेव-कृष्ण की मूर्ति vi. एलोरा की मूर्तियां vii. कैलाश नाथ मंदिर viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **बौद्ध कला और मूर्तिकला** i. रिक्त स्थान बुद्ध के ध्यान की दशा ii. स्तूप महानिबनना के प्रतीक iii. सारनाथ बुद्ध के पहले उपदेश का प्रतीक iv. पेड़ बुद्ध की जीवन की घटना का प्रतीक v. स्तूप के तोरण द्वार पर शैलभंजिका समृद्धि का शुभ प्रतीक vi. गजलक्ष्मी-सौभाग्य की प्रतिमा vii. वृक्ष बुद्ध के जीवन की एक घटना का प्रतीक है। viii. बुद्ध और बोधिसत्वों की छवियाँ ix. सर्प और पशु रूपांकनों x. हाथी, घोड़े, बंदर और झोपड़ी जैसे जानवरों की मूर्तियां स्तूप पर विभिन्न जातक कहानियों से समझा जा सकता है। xi. कुछ जानवरों को मानवीय विशेषताओं के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया था उदाहरण के लिए हाथियों को शक्ति और ज्ञान को दर्शाने के लिए चित्रित किया गया था। xii. कमल और हाथियों से घिरी एक महिला की मूर्ति प्रमुख है xiii. -कुछ लोगों ने गजलक्ष्मी के रूप में पहचाना, (सौभाग्य की देवी) और कुछ के रूप में माया (बुद्ध की माँ) xiv. जातक कहानियों और बुद्ध की जीवनी के दृश्य xv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु कथन का समर्थन करने के लिए प्रत्येक का कोई चार उदाहरण	Pg- 99- 106	4+4= 8

26	**मुगल घरेलू दुनिया** i. मइसमें सम्राट की पत्नियों, रिश्तेदारों, महिला सेवकों और दासियों का समावेश था। ii. पत्नियों के बीच भेद को बनाए रखा गया था -बेगम, अगाह और अगाछह iii. मासिक भत्ता नकद,, उपहार दिए जाते थे iv. स्त्री और पुरुष गुलाम, अपनी कौशल और बुद्धिमता से अनेक कार्यो का संपादन करते थे v. उनके द्वारा विभिन्न कार्य किए गए। vi. गुलाम हिज़ड़े व्यापर में रूचि लेने वाली महिलाओ के एजेंट होते थे vii. कुछ रानियों और राजकुमारियों ने वित्तीय स्त्रोतों पर नियंत्रण रखा viii. कुछ के पास मनसबदारी अधिकार व् नियंत्रण और आय भी थी ix. कुछ राजकुमारी ने वित्तीय संसाधन रखे। x. संसाधनों पर नियंत्रण ने महत्वपूर्ण महिलाओं को इमारतों, बगीचों और बाज़ारों को वास्तुकलात्मक परियाजनाओं में हिस्सा लिया xi. मुगल राजकुमारी जहाँआरा ने कई वास्तुकला परियोजनाओं जैसे शाहजहांआबाद के चांदनी चौक की रूपरेखा तैयार की xii. कुछ किताबें गुलबदन बेगम द्वारा लिखी गई -हुमायूंनामा xiii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही आठ बिंदुओं की व्याख्या	Pg-242	8
	अथवा **<u>मुगल साम्राज्य का शाही संगठन</u>** i. मुगल साम्राज्य का शाही संगठन विभिन्न संस्थानों पर निर्भर था। ii. शाही संगठन एक महत्वपूर्ण स्तंभ था जो विभिन्न जातीय और धार्मिक समूहों से भर्ती किया गया था।		

	iii. तुरानी और ईरानियों ने मुगलों को अपने राजनीतिक प्रभुत्व में मदद की। iv. राजपूत और भारतीय मुसलमान भी शाही सेवा में शामिल हुए। v. अभिजात वर्ग में भर्ती त्र जातीय व् धार्मिक समूहों से होती थी vi. अभिजात वर्ग को गुलदस्तेवके रूप में वर्णित किया गया है जो वागफदारी से बादशाह के साथ जुड़े थे vii. शिक्षा और लेखा सशत्र में झुकाव वाले हिन्दू वगरग को पद्दौन्नत किया गया viii. अधिकारियो को संख्या विषयक ओहदे दिए जाते थे जैसे मनसबदारी अधिकार जिसमे ज़ात और सवार जैसे पद होते थे ix. सैन्य अभियानों में ये भाग लेते थे x. प्रांतो में साम्राज्य के अधिकारी होते थे xi. बादशाह उनकी पदवियों और ओहदों का निरक्षण खुद करता था xii. अभिजात वर्ग के कुछ लोगो के साथ मुदीद मुर्शिद के आधार पर आध्यात्मिक रिश्ते भी कायम किये xiii. शाही सेवा शक्ति, धन और उच्च प्रतिष्ठा प्राप्त करने का मार्ग थी। xiv. मीर बख्शी, दीवान-ए-आला, सदर-हम-सुदुर महत्वपूर्ण मंत्री थे जो सलाहकार निकाय के रूप में एक साथ काम कर रहे थे। xi। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही आठ बिंदुओं का वर्णन	Pg-244	8
27	**संविधान सभा द्वारा व्यक्त विचार** i. जवाहर लाल नेहरू ने भारत के संविधान के आदर्शों को परिभाषित करते हुए उद्देश्य संकल्प 'की शुरुआत की। ii. भारत को 'स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य' घोषित किया। iii. न्याय, समानता और स्वतंत्रता की बात कही गयी।	Pg-411-415	8

	iv. अल्पसंख्यकों, पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय। v. यांत्रिक रूप से विभिन्न संविधान के विभिन्न सिद्धांतों को लागू किया गया vi. भारतीय संविधान का उद्देश्य लोकतंत्र के उदार विचारों को लागू करना होगा vii. आर्थिक न्याय के समाजवादी विचारों को भी व्यक्त किया गया था। viii. रचनात्मक सोच पर जोर दिया गया। ix. अधिकारों और समानता पर चर्चा की गई। x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। समग्र रूप में मूल्यांकन **अथवा** **संविधान सभा में दमित जातियों के अधिकारों पर चर्चा** i. अम्बेडकर ने दमित वर्गों के लिए अलग निर्वाचक मंडल की मांग की लेकिन महात्मा गांधी ने इसका विरोध किया। ii. दमित जाति के कुछ सदस्यों के लिए अधिक सुविधाओं पर जोर दिया। iii. निवेदन किया कि उनकी यह परिस्थिति सामाजिक मानदंडों और जाति समाज के नैतिक मूल्यों के कारण हुई। iv. जे.नागप्पा ने कुल आबादी के 20 से 25% के बीच वर्ग के संख्यात्मक गठन पर चर्चा की। v. इस वर्ग की शिक्षा तक कोई पहुँच नहीं थी। vi. लंबे समय तक प्रशासन में कोई हिस्सा नहीं। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या की जाए। **अंबेडकर की भूमिका** i. उन्होंने पहले पृथक निर्वाचिका की मांग की लेकिन विभाजन की हिंसा के बाद उन्होंने अलग मतदाताओं के लिए तर्क नहीं दिया।	Pg-421-422	(2+6=8)

	ii. छुआछूत के उन्मूलन की मांग की iii. हिंदू मंदिरों को सभी जातियों के लिए खोलने की मांग की iv. विधायिका में सीटों का आरक्षण । v. सरकारी कार्यालयों में नौकरियों का आरक्षण। vi. इस जाति के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन vii. संवैधानिक विधायिका के माध्यम से सामाजिक भेदभाव को मिटाना चाहते थे। किन्ही चार आठ बिंदुओं की व्याख्या (4 x 1½ =6)		
28	**Part D:** **कल हम नमक कानून तोड़ेंगे** **30.1 नमक कानून के प्रति भारतीयों की प्रतिक्रियाओं की जाँच करें।** उत्तर:नमक कर कानून के प्रति भारतीयों की प्रतिक्रियाएँ। a) नमक कानून के खिलाफ व्यापक असंतोष था। b) नमक पर राज्य का एकाधिकार अलोकप्रिय था। (2) **30.2 गांधीजी को यह विश्वास क्यों था कि सरकार सत्याग्रहियों को गिरफ्तार नहीं करेगी**? उत्तर: गांधीजी सत्याग्रहियों की गिरफ्तारी पर भरोसा नहीं कर रहे थे a) वह अपने प्रदर्शनकारियों को शांति की सेना मानता था। b) अंग्रेजों पर दुनिया की राय का डर। (2) **30.3 दांडी मार्च के आधार की की व्याख्या कीजिये** उत्तर:दांडी मार्च का आधार a) ब्रिटिशों के सबसे व्यापक रूप से नापसंद कानून को तोड़ने के लिए। b) ब्रिटिश शासन के खिलाफ असंतोष को बढ़ाने के लिए। c) अंग्रेजों के खिलाफ राष्ट्रवादी अभियान शुरू करना। d) सभी वर्गों के समुदायों को एकजुट करने के लिए,	Pg- 358	2+2+ 2=6

	e) स्वराज की ओर जाने के लिए। (2) किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या		
29	**स्रोत आधारित प्रश्न** **भारत में चाँदी कैसे आयी** **29.1 मुग़ल साम्राज्य किस प्रकार भारी मात्रा में धन एकत्रित कर सका** उत्तर: मुगलों द्वारा भारी धन का संचय। a) वस्तुओं के आयात निर्यात से b) व्यापार के जीवंत माध्यम से। c) वस्तु संरचना और व्यापार में विस्तार के कारण। किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या (2) **29.2 चांदी किस प्रकार दुनियाभर में होते हुए भारत पहुंची**? उत्तर: चांदी दुनियाभर में होते हुए भारत पहुंची क) धातु मुद्रा की उपलब्धता। बी) खनन तकनीक का विस्तार। c) अर्थव्यवस्था में धन का परिसंचरण। d) नकदी में करों और राजस्व की निकासी। किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या (2) **29.3 भारत में वस्तु विनिमय किस प्रकार होता था?** a) नकद लेनदेन के माध्यम से। b) वस्तुओं के लेनदेन के माध्यम से (2)	Pg-217	2+2+2=6
30	**स्रोत आधारित प्रश्न** **एक धनाढ्य शूद्र** **२.१ ब्राह्मण स्वयं को अन्य जाति से श्रेष्ठ क्यों मानते थे?** i. उत्तर:ब्राह्मण खुद को अन्य जाति से श्रेष्ठ मानते थे		

	a) उनकी बुद्धि के आधार पर b) उचित रंग के आधार पर। c) शुद्धता के आधार पर d) ब्रह्मा के पुत्रों के रूप में माना जाता है e) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या (2) **28.2 कच्छना के अनुसार एक शूद्र ने अपनी स्थिति में कैसे सुधार किया?** उत्तर:कच्छना के अनुसार, एक शूद्र अपनी स्थिति में सुधार कर सकता था a) धन के आधार पर b) आर्थिक स्थिति और गरिमा के आधार पर (2) **28.3 वर्ण व्यवस्थाता के प्रति बौद्ध दृष्टिकोण के बारे में यह कहानी क्या बताती है?** उत्तर: वर्ण व्यवस्थाता के प्रति बौद्ध दृष्टिकोण a) जाति आधारित विचारों की अस्वीकृति b) जन्म के आधार पर श्रेष्ठता के विचारों को खारिज कर दिया। c) सामाजिक समानता के लिए अनुरोध d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या (2)	Pg-70	2+2+ 2=6
31	**31.1 & 31.2 मानचित्र पर संलग्न** **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए** **31.1 हड़प्पा स्थल** कालीबंगन, लोथल, नागेश्वर, धोलावीरा, राखीगढ़ी, बनवाली- (भारत) हड़प्पा, , बालाकोट, चाहूँजोदड़ो ,मोहनजोदड़ो कोई तीन	Pg-2	3

	अथवा **बौद्ध स्थल** सांची, बरहुत, अजंता, नासिक, कारला, नागार्जुनकोंडा, अमरावती, बोधगया कोई तीन 31.2 **विद्रोह का केंद्र 1857** दिल्ली, मेरठ, आगरा, लखनऊ, झाँसी, कानपुर, आज़मगढ़, बनारस, कलकत्ता कोई तीन	Pg-95 Pg-305	3 3